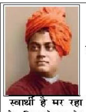

प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लाँग इन करें
https://
dainikyashonnati.
com
एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+15 अंक 62 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी बुधवार 28 जून 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार .....
पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार
पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

अपने बेटे-बेटियों का भला चाहते हैं, उनका भविष्य बनाना है, तो भाजपा को वोट दें - नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री जी ने कहा- गरीबों के कल्याण के नाम पर अपना भला करते रहे हैं देश के कई परिवार

सिवनी 27जून.....कोई गरीब नहीं चाहता कि उसके बच्चे गरीबी में रहें। लेकिन देश में कई राजनीतिक परिवार हैं, जो गरीब कल्याण के नाम पर अपने बेटे-बेटियों का भला करते रहे हैं। यह आपको तय करना है कि आप किस का भला चाहते हैं? अगर आपको गांधी परिवार का भला करना है, तो कांग्रेस को वोट दें। मुलायमसिंह के बेटे का भला चाहते हैं तो सपा को वोट दें। लालू यादव के बेटों का भला चाहते हैं तो राजद को वोट दें। शरद यादव की बेटी का भला चाहते हैं तो एनसीपी को वोट दें। फारुख अब्दुल्ला के बेटे का भला चाहते हैं तो नेशनल कांफ्रेंस को वोट दें। के. चंद्रशेखर राव के बेटे का भला चाहते हैं, तो टीआरएस को वोट दें। करुणानिधि के बेटों का भला चाहते हैं, तो डीएमके को वोट दें। लेकिन अगर आप अपने बेटे-बेटियों का भला चाहते हैं, पोते-पोतियों का विकास और भविष्य चाहते हैं, तो भाजपा को वोट दें। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने मंगलवार को राजधानी के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' विषय पर आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में अल्पकालीन विस्तारक कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही।इस कार्यक्रम का डिजिटल प्रसारण आज सिवनी सहित पूरे प्रदेश में भी हुआ जहां बडी सं या में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री जी की बात सुनी।

"ये घोटालों की गारंटी देते हैं, तो मेरी भी गारंटी है हर चोर–लुटेरे का हिसाब होगा"

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आजकल राजनीति में एक शब्द बहुत चल रहा है और वह है गारंटी। ये भाजपा कार्यकर्ताओं की जि मेदारी है कि वे जनता को समझाएं कि एकजुट हो रहे विपक्षी दल किस बात की गारंटी दे रहे हैं? ये गारंटी रहे हैं घोटालों की, भ्रष्टाचार की। श्री मोदी ने कहा कि हाल में विपक्षी दलों के नेताओं का एक फोटो सेशन हुआ था। उस फोटो में जो दिखाई दे रहे हैं, अगर सभी के घोटालों को जोड़ लिया जाए तो करीब 20 लाख करोड़ के घोटाले इन्होंने किए हैं। अकेली कांग्रेस ने ही लाखों करोड़ के घोटाले किए हैं। 1.86 लाख करोड़ का कोयला घोटाला, 1.76 लाख करोड़ का टू जी घोटाला, 70 हजार करोड़ का कॉमनवेल्थ घोटाला, 10 हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला और हेलीकॉप्टर से लेकर पनडुब्बी तक के घोटाले इन्होंने किए हैं। राजद नेताओं ने चारा घोटाला, पशुपालन घोटाला, बाढ़ राहत घोटाला जैसे हजारों करोड़ रुपये के कई घोटाले किए हैं। अदालतें इन नेताओं को सजा दे-देकर थक गई हैं। डीएमके ने अवैध तरीके से 1.25 लाख करोड़ की संपत्ति एकत्र की। टीएमसी पर 23 हजार करोड़ के घोटालों का आरोप है। रोजवैली घोटाला, शारदा घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला, गो तस्करी घोटाला और कोयला तस्करी घोटाले जैसे कितने ही घोटाले किए हैं। एनसीपी पर करीब 70 हजार करोड़ के घोटाले के आरोप हैं। कोऑपरेटिव बैंक घोटाला, सिंचाई घोटाला, अवैध खनन घोटाले जैसे कई घोटाले इनमें शामिल हैं। श्री मोदी ने कहा कि अब देश को यह तय करना है कि ` या वह ऐसे घोटालों की गारंटी को स्वीकार करेगा? प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अगर ये घोटालों की गारंटी देते हैं, तो मैं भी एक गारंटी देना चाहता हूं और वो है इन घोटालेबाजों पर कार्रवाई की गारंटी, चोर-लुटेरों पर कार्रवाई की गारंटी। जिन्होंने देश को लूटा, देश के गरीबों को लूटा, उनका हिसाब होकर रहेगा। तमाम विरोधों के बावजूद एकजुट हो रहे इन विपक्षी दलों का कॉमन मिनिमम प्रोग्राम यही है कि एक-दूसरे को इन पर हो रहे कानूनी ऐ शन से कैसे बचाया जाए। श्री मोदी ने कहा कि देश के लोग इस बात को भली भांति समझते हैं।

गरीब की सेवा का भाव, हर पल उसकी चिंता भाजपा की पहचान है

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने कहा कि कोरेना संकट और लंबे रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत उन देशों में शामिल है, जिनमें विकास की र तार तेज है और महंगाई नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के बाद दुनिया के कई देशों में हाहाकार मचा है। महंगाई की दर पाकिस्तान में 38 प्रतिशत, श्रीलंका में 25 प्रतिशत, बांग्लादेश में 10 प्रतिशत पर पहुंच गई है, लेकिन भारत में ये 5 प्रतिशत से भी नीचे है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की योजनाएं गरीबों की चिंता करते हुए उनकी जेब के पैसे बचा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज औसत भारतीय प्रतिमाह 20 जीबी डाटा खर्च करता है। 2014 के पहले कांग्रेस के जमाने में एक जीबी डाटा करीब 300 रुपये में मिलता था। इस हिसाब से 20 जीबी डाटा 6000 रुपये का होता है, लेकिन आज देश में इतना डाटा 200-300 रुपये में मिल जाता है यानी हर मोबाइल उपभोक्ता को करीब 5000 रुपये की बचत हो रही है। कांग्रेस के जमाने में एलईडी वल्ब 300 रुपये में मिलते थे, आज 50-60 रुपये में मिल रहे हैं। देश में जो 40 करोड़ एलईडी वल्ब बांटे गए हैं, उनकी वजह से बिजली के बिल में करीब 20 हजार करोड़ की बचत हुई है। जनऔषधि केंद्रों से जो सस्ती दवाएं मिलती हैं, उनकी वजह से भी लगभग 20 हजार करोड़ की बचत हो रही है। श्री मोदी जी ने कहा कि हमारी सरकार ने 50 करोड़ परिवारों को आयुष्मान कार्ड दिए और अब तक 5 करोड़ लोग इससे अपना इलाज करा चुके हैं। अगर आयुष्मान कार्ड न होता, तो इन गरीबों को करीब 80 हजार करोड़ खर्च करना पड़ते। श्री मोदी जी ने कहा कि गरीब की सेवा का ये भाव और हर पल उसकी चिंता भाजपा की पहचान है और भाजपा उनकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहती है।

प्रधानमंत्री जी ने देश और पार्टी को दुनिया के न .शे पर खड़ा करने का काम किया-जेपी नड्डा

इस कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश के सबसे बड़े प्रशासक और चीफ एग्जी यूटिव हैं, लेकिन जब भी पार्टी की बात आती है तो आप कभी भी हमें समय देने से नहीं हिचकते। ये हम सब के लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री जी कुशल प्रशासक भी हैं और संगठन के संगठक भी हैं। उनके मूल में संगठन रचा-बसा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने अपना जीवन संगठन में खपा दिया और बूथ स्तर से काम को देखते हुए उन्होंने देश का नेतृत्व किया। आज देश और पार्टी को दुनिया के ने शे पर खड़ा करने का काम अगर किया है तो प्रधानमंत्री जी ने किया है। उनका मार्गदर्शन मिलना हम सभी के लिए गौरवान्वित होने का अवसर है।

"मोदी जी के बुलंद फैसलों के कारण भारत एक 'ब्राइट स्पॉट' के रूप में दिखाई देता है"

श्री जेपी नड्डा जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अभी अमेरिका और मिस्र होकर आए हैं। अमेरिका में जिस तरीके से प्रधानमंत्री जी ने चर्चा की और जो समझौते हुए है, वो भारत और अमेरिका के रिश्तों को आज एक नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। मोदी जी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्हें अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दो बार संबोधित करने का अवसर मिला। यह सभी बातें हर भारतीय के लिए गौरवान्वित करने वाली है।

श्री नड्डा जी ने कहा कि आज आईएमएफ अपने वक्तव्य में कहता है कि भारत की गरीबी 22 प्रतिशत से गिरकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है और हमारी अति गरीबी 1 प्रतिशत से भी कम हो गई है। ये सब बदलाव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मजबूत इरादें और केंद्र सरकार की मजबूत नीतियों से ही संभव हो पाया है।

भारत ने सर्वे भवंतु सुखिनः का संदेश विश्व को दिया है - शिवराज

इस अवसर पर मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमने भारत में जन्म लिया है, भाजपा के कार्यकर्ता हैं और ऐसे समय में हम भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारत के प्रधानमंत्री हैं और हमारे नेता हैं। मोदी जी के नेतृत्व में देश ने प्रकृति और विकास का नया इतिहास रचा है। जनकल्याण और गरीब कल्याण का एक नया अध्याय लिखा है। आज मोदी नाम मंत्र बन गया है, मोदी जी जहां जाते हैं दुनिया झूम उठती है और हर देश मोदी नाम का उच्चारण करता है। अभी अमेरिकी संसद में जब मोदी जी बोल रहे थे तो वहां के सांसदों ने 79 बार तालियां बजाकर उनका स्वागत किया, 15 बार अमेरिका के सांसदों ने खड़े रहकर मोदी जी को स मान दिया।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मोदी जी ने भारत के योग, ज्ञान, विज्ञान, अध्यात्म, पर्यावरण, वसुधैव कुटु बकम के भाव, विश्व कल्याण और सर्वे भवंतु सुखिनः का संदेश विश्व को दिया है. जब हम भाजपा का काम करते हैं तो एक राजनीतिक दल का काम नहीं करते हैं बल्कि विश्व कल्याण का काम करते हैं।

रोजगार सहायक स मेलन आज : संबोधित करेंगे मु यमंत्री

भाजपा जिलाध्यक्ष आलोक दुबे ने करायी थी मध्यस्थता

सिवनी यशोः - प्रदेश सरकार के मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज बुधवार 28 जून को सायं 6 बजे मोती लाल नेहरू स्टेडियम भोपाल में ग्राम रोजगार सहायक स मेलन को संबोधित करेंगे इस संबंध में रोजगार सहायक महासंघ के जिला अध्यक्ष रूपेश शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि रोजगार सहायक महसंघ के द्वारा गत 13 मार्च से अपनी मांगो को लेकर अनिश्चित कालीन प्रदेश स्तरीय कलम बंद हडताल की जा रही थी जिसे भाजपा जिलाध्यक्ष आलोक दुबे ने हस्तक्षेप करते हुये पिछले दिनों प्रदेश सरकार के मु यमंत्री श्री चौहान से चर्चा कर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष से हडताली रोजगार सहायको को आश्वस्त किया था कि रोजगार सहायको की मांगों पर सरकार सहानुभूति पूर्वक शीघ्र विचार करेगी और आज उसी संबंध में रोजगार सहायको का स मेलन प्रदेश के मु यमंत्री जी ने स मेलन आहूत किया है और रोजगार सहायको की दयनीय स्थिती पर विचार करते हुये उनके हित में अहम घोषणाएँ करने की पूरी संभावना है ।

महासंघ के जिलाध्यक्ष श्री शर्मा ने बताया कि पिछले दिनों उन्होंने 13 मार्च से हड़ताल प्रारंभ की थी और मु यमंत्री जी के केवलारी आगमन पर महासंघ ने ज्ञापन भी दिया था इसके पश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक दुबे ने महासंघ के प्रतिनिधियों के साथ 27 अप्रैल को मु यमंत्री श्री चौहान को दूरभाषा पर रोजगार सहायको की मांगो से अवगत कराया एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा तथा प्रदेश युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार से भेंट कराकर आश्वस्त किया था कि सरकार उनकी मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार करेगी इस आश्वासन के पश्चात हम सभी ने अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थागित कर दी थी और भाजपा जिलाध्यक्ष आलोक दुबे की मध्यस्थता के परिणाम है कि आज प्रदेश के मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रोजगार सहायकों का स मेलन आहूत किया गया है जिसके बेहतर परिणाम आयेगें। रोजगार सहायक महासंघ के अध्यक्ष श्री शर्मा ने भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दुबे एवं भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये रोजगार सहायको के साथ भाजपा स मेलन में शामिल होने प्रस्थान किया है ।

युवक को जादू टोने के शक में प्रताड़ित किया जा रहा है

सिवनी यशोः- जादू टोना की शंका में आदिवासी विकासखंड के ग्राम गोरखपुर में ग्रामीण एक व्यक्ति को बुरी तरह परेशान किये हुये है उसके साथ अमानवीय कृत्य तक करने से बाज नहीं आ रहे है उस पर जुर्माना तो लगा कर उससे जबरन वसूली की जा रही है यहाँ तक की उसे जूते में भरकर शराब भी पिला दी गयी ।

जानकारी के अनुसार सिवनी जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र के गोरखपुर ग्राम के दो व्यक्तियों ने शिकायत की है कि ग्राम के कुछ लोगों को उन पर जादू टोना करने का शक है। ग्राम में यदि कोई बीमार होता है, तो उसका आरोप भी इनके ऊपर लगा दिया जाता है। जिसको लेकर पीड़ितों ने लखनादौन थाने में 25 मई को शिकायत की।

समय अधिक होने के बाद जब समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो पीड़ित 27 जून मंगलवार की शाम को पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत करने पहुंचे। शिकायत पत्र देते हुए कहा कि वे और जिनके ऊपर आरोप लग रहे हैं एक ही जाति (आदिवासी समुदाय) के व्यक्ति हैं। एक ही ग्राम के निवासी हैं।

आरोप लगाते हुए कहा कि ग्राम के कुछ लोग एक राय होकर समाज के नाम पर रजिस्टर बनाकर लोगों को प्रताड़ित कर रहे है। इन लोगों को भी यह कहकर बीते माह 5000 राशि जबरन वसूली करने के आरोप में तथा यह भी आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके पिता से भी कुछ साल पहले एक लाख की राशि जबरन वसूल लिए थे।

आवेदको ने बताया कि वे गांव में डर डर कर रह रहे है और ग्रामीणों की बाते सुन कर वे अपने आप को अपमानित महसूस करते है और ग्रामीण उन्हें अनेक तरह की धमकियाँ देते है ।

लाँग इन करें
https://
dainikyashonnati.
com

जबरन नॉलेज

प्रतिबंध के बाद भी भीमगढ़ बांध क्षेत्र में धड़ल्ले से मारी जा रही छोटी मछलियां

प्रजनन काल को लेकर 15 जून से 15 अगस्त तक मत्स्य आखेट पर है प्रतिबंध

छपारा यशोः-मत्स्य आखेट पर प्रतिबंध के बावजूद भी भींगड़वन क्षेत्र में लगातार अवैध रूप से चोरी छुपे मत्स्य आखेट किया जा रहा है जिसको लेकर विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है।

ज्ञात हो कि प्रति वर्ष वर्षाकाल के दौरान 15 जून से लेकर 15 अगस्त तक मछलियां प्रजनन काल पर होती है इस अवधि में मध्यप्रदेश के प्रत्येक जलाशयो में मत्स्य आखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहता है, इसके बावजूद भी भीमगढ़ बांध क्षेत्र के ग्राम सिमरिया, गोहना, मल्हानवाडा, बुड़वानी, मोहाली सागर,ताखला में रात के अंधेरे में छोटी जाल डालकर धड़ल्ले से छोटी मछली मारी व बेची जा रही है, इन समस्त क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ी जा रही है जिस पर मत्स्य विभाग लगातार कार्यवाही कर रहा है फिर भी इन चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं की मछली चोरी में कोई अंतर नहीं आ रहा है।

वही विभाग के लोगो के द्वारा मंगलवार 27 जून को सुबह-सुबह मत्स्य महासंघ के कर्मचारियों द्वारा बांध क्षेत्र क्षेत्र में घूम कर एक बार फिर बड़ी मात्रा में छोटी मछली की जाल जप्त की गई।

दूसरी ओर क्षेत्र में जन चर्चा है कि उपसंचालक मत्स्य विभाग के.एल.मरावी द्वारा बांध क्षेत्र में विचरण कर एवं कस्बों तथा शहरों में बेची जा रही मछलियों पर कार्यवाही ना करने की वजह अवैध रूप से मछली बेचने वालों के हौसले बुलंद है तथा बाजारों में धड़ल्ले से छोटी और बड़ी मछली बेची जा रही है।

इनका कहना है–

बांध के जल भराव का क्षेत्रफल काफी बड़ा है प्रतिदिन चोरी रोकना संभव नहीं है फिर भी हमारे विभाग के कर्मचारियों के द्वारा उचित कार्यवाही की जा रही है आगामी समय में भी स्थानीय पुलिस की सहायता से अवैध मत्स्य आखेट को रोकने के लिए कार्यवाही जारी रहेगी।

के.एल.मरावी
उपसंचालक मत्स्य विभाग
सिवनी

दो नई वंदे भारत ट्रेनों की सौगात के लिए प्रधानमंत्री का आभार - मु यमंत्री

सिवनी यशोः- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश को प्रदान की गई दो नई वंदे भारत ऐ सप्रेस ट्रेनों की सौगात के लिए मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनका आभार माना है। मु यमंत्री श्री चौहान ने अपने ट्वीट में लिखा है कि - ÷भोपाल-जबलपुर और भोपाल-इंदौर वंदे भारत ऐ सप्रेस प्रारंभ करना, मध्यप्रदेश के विकास का एक और सोपान है। देश की विकास यात्रा में पूरा भारत प्रधानमंत्री श्री मोदी का सहयात्री है। वंदे भारत ऐ सप्रेस नए भारत के सपनों को नई गति देगी।

व्यक्ति या संगठन के लिए संविधान के प्रावधान का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए- सरकार्यवाह

नई दिल्ली. देश के इतिहास में कई लोगों ने उस समय आपातकालीन संघर्ष को एक दृष्टि से द्वितीय स्वतंत्रता संग्राम कहा है। और आज भी कई बार लगता है, ये सही व्या या है। विदेशी शासन के खिलाफ एक लंबा संघर्ष हुआ, स्वतंत्राता आन्दोलन हुआ। लेकिन देश के अंदर के ही अपने लोगों ने संविधान के प्रावधान का दुरुपयोग करके, देश के लोगों की आवाज को दमन करने का और जयप्रकाश नारायण जैसे व्यक्ति को भी दमन करने का कार्य किया, और सामान्य लोगों का दमन हुआ, इसलिए एक दृष्टि से द्वितीय स्वतंत्रता संग्राम कहना योग्य है। ये आपातकाल ` यों हुआ? देश में आपातकाल तब होता है, जब देश असुरक्षित है। कोई व्यक्ति या पार्टी असुरक्षित है, अस्थिर है, उसके लिए संविधान के प्रावधान का उपयोग या दुरुपयोग करना यह लोकतंत्र में कभी भी नहीं होना चाहिए। आपातकाल में संविधान प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों को रद्द कर दिया था। यही कारण है कि किसी भी प्रकार - भाषण, लेखन, अभिप्राय - के अभिव्यक्ति स्वातंर्त्य, संगठन स्वातंर्त्य आदि नहीं हो सकते थे।÷

लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय आपातकाल- 1975 पर बातचीत के दौरान सरकार्यवाह जी ने कहा कि अभी 48 वर्ष पहले के घटनाक्रमों को याद करना थोड़ा कठिन होता है, लेकिन आपातकाल और उसके विरुद्ध का संघर्ष ऐसा है, उसकी एक-एक घटना याद रखने वाली बात है। मैं उस समय बंगलूरु विश्वविद्यालय में एमए का विद्यार्थी था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश स्तर के कार्यकर्ता के नाते मैं भी आंदोलन में सहभागी रहा। भ्रष्टाचार के विरोध में, बेरोजगारी समाप्त करने के लिए, शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाने के लिए एक संघर्ष का बिगुल बजा था तो मई के अंतिम सप्ताह तक देश के अंदर विद्यार्थी युवा संघर्ष समिति बनी थी और देश भर में जनता संघर्ष समिति और विद्यार्थी जन संघर्ष समिति, ऐसे दो आन्दोलन के मंच बने थे।

जून के महीने में तीन महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं। इन तीनों का परिणाम आपातकाल लागू करने के रूप में हुआ। एक - जून आते-आते जेपी के नेतृत्व में आंदोलन देशव्यापी हो गया था, वह अत्यंत प्रखरता के चरम पर पहुँच गया था। दूसरा - गुजरात में हुए चुनाव में इंदिरा कांग्रेस की घोर विफलता हुई, वह हार गई। जून 12 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने रायबरेली से इंदिरा गाँधी के लोकसभा चुनाव में जीत को निरस्त कर दिया। तीनों मोर्चे पर इंदिरा जी हार गयीं।

एक है - न्यायायिक, दूसरा है - राजनीतिक क्षेत्र में चुनाव में, तीसरा - जनता के बीच। इस कारण उन्होंने इस ऐ स्ट्रीम क्रम का उपयोग किया। 25 जून को रात्रि आपातकाल घोषित कर दिया। उन दिनों न मोबाइल, न टीवी, कुछ नहीं था। आज के जमाने के लोगों को उस समय की परिस्थिति को समझना आसान नहीं है। 50 साल पहले हिन्दुस्तान में टीवी नहीं था और क प्यूटर्स नहीं थे। ई-मेल और मोबाइल आज हैं उस समय नहीं था, तो न्यूज कैसे मालूम हुआ? बीबीसी और आकाशवाणी से घोषणा होते ही पता चला। हम लोगों को सुबह 06ञ्00 बजे के न्यूज से समाचार मिला। संघ की शाखा में गांधी नगर, बंगलूर में मैं और बाकी मित्र शाखा में थे, हमें शाखा जाते-जाते समाचार मिल गया। पार्लियामेंट कमेटी के काम के लिए अटल जी, अडवाणी जी, मधु दंडवते जी और एसएन मिश्रा जी बंगलूर आकर रुके थे।

शाखा समाप्त होते ही हम लोग वहां गए और अटल जी, अडवाणी जी स्नान करके नीचे जलपान के लिए आ रहे थे। तो हमने कहा इमरजेंसी लागू हो गई। शायद उनको तब तक जानकारी भी नहीं थी या जानकारी होगी भी। उन्होंने पूछा, तो हमने कहा रेडियो में सुना। अडवाणी जी ने कहा, यूएनआई, पीटीआई को फोन लगाओ, फोन पर ही स्टेटमेंट देना है, इसका खंडन करने का। अटल जी ने कहा -` या कर रहे हैं, वे बोले मैं स्टेटमेंट देता हूं। अपनी तरफ से वक्तव्य दे रहा हूं।

अटल जी ने कहा - कौन छापने वाला है? अटल जी को पता चल गया था कि इमरजेंसी घोषित होते ही प्रेस सेंसर भी साथ-साथ हो गया है तो इसलिए स्टेटमेंट अगले दिन भी कोई छापने वाला नहीं है। थोड़े समय के अंदर पुलिस आ गई और अटल जी, अडवाणी जी, एसएन मिश्रा जी तीनों को पुलिस ने गिर तार करके हाईग्रान पुलिस स्टेशन पर लेकर गए। उनके ऊपर मीसा लग गया। हम लोग वापिस गए और अंडरग्राउंड हो गए। हम लोग मीसा में वांटेड हैं, यह जानकारी मिलने पर भूमिगत हो गए थे। मैं दिसंबर तक भूमिगत रहा।

कुछ लोगों को डीआईआर और कुछ लोग मीसा ऐ ट, ऐसे दो कानूनों में गिर तार किया गया। डिफेंस ऑफ इंडिया रूल में कोर्ट में जाने का और वहां आरग्यू कर और शायद छूट भी जाने का प्रावधान था। मीसा में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था। आपको चार्ज बताने की जरूरत भी नहीं` या गुनाह है और कोर्ट में जाने का तो कोई अधिकार नहीं था। सब प्रकार के फंडामेंटल राइट्स सस्पेंडेड होने के कारण मीसा में रहने वाले व्यक्ति को अंदर उनका` या हुआ, घर के लोगों को भी पता चलना चाहिए.. ऐसा भी कोई प्रावधान नहीं था।

तब न फोन कर सकते थे, संपर्क भी नहीं कर सकते थे। इसलिए जनता के साथ, कार्यकर्ता के साथ संपर्क रखना, इसके लिए संघ और संघ प्रेरित संगठनों का जाल, हमारी घर-घर में संपर्क की पद्धति बहुत काम में आयी। घरेलू संपर्क की पद्धति दशकों से संघ और संघ प्रेरित संगठनों में है, उसका लाभ, आंदोलन में भी हुआ। मेरे पास बहुत ऐसे उदाहरण हैं। जैसे रवीन्द्र वर्मा जी बंगलूर आए थे तो उनको कहां रखना और पुलिस को पता ना चले, ऐसे उनको रेलवे स्टेशन से लेकर आना और सुरक्षित वापिस भेजना। ये काम अत्यंत गूढ़ता से हम लोग कर सके, उसका कारण है संघ की कार्यपद्धति के अंदर घर का संपर्क।

दूसरी बात,` या चल रहा है लोगों को ये पता नहीं चलता था,` योंकि समाचार पत्र सेंसर के कारण केवल सरकार की अनुमति से छपने वाले समाचार छोड़कर बाकी कोई भी समाचार नहीं छापता था। कौन, कहां अरेस्ट हो गया, किसका` या हुआ, कोई पता नहीं चलता था। तो इसलिए एक भूमिगत साहित्य छापने को पत्रकारिता का एक जाल, अपना नेटवर्क बनाने की बहुत सफल योजना बनी और उसका क्रियान्वयन हुआ। ये दूसरी एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, अपने देश के इमरजेंसी के भूमिगत संघर्ष की।

हो. वे. शेषाद्री जी ने दक्षिण भारत के चार राज्यों में साहित्य प्रकाशन का नेतृत्व किया। उनका केंद्र बंगलूरु था। जगह-जगह पर प्रेस ढूंढकर रात को प्रेस में काम करना और प्रेस में काम करना तो आवाज नहीं आनी चाहिए। बहुत सावधानी रखनी पड़ती थी। दो पन्ने के, चार पन्ने के पत्र पत्रिकाएं छपवाना, उसमें न्यूज़ आइटम, देश के अन्यान्य भागों में ` या चल रहा है, इसके बारे में जानकारी इकट्ठा करना। ये जानकारी इकठ्ठा कैसे करना? भूमिगत काम करने वाले अलग-अलग लोगों से, प्रवास करने वाले लोगों से लिखवाकर लाते थे। कुछ कार्यकर्ता इसके लिए ही प्रवास करते थे। वो एक दृष्टि से पत्रकार जैसे ही अंडरग्राऊंड कार्य करते थे। उदाहरण के लिए कर्नाटक के चार जगह पर या महाराष्ट्र में अलग-अलग नाम से अंडरग्राउंड पत्रिकाएं छपती थीं। मराठी में, कन्नड़ में, तेलुगू में, हिंदी में.. उस-उस राज्य में नाम भी अलग-अलग थे। दो प्रकार से छपती थी, एक प्रिंटिंग प्रेस, दूसरा साइे लोस्टाइल करना। रातों-रात काम करते थे। रात भर काम करके एक-एक हजार प्रति निकालना। उसको सुबह साढ़े तीन-चार बजे से पांच बजे के बीच जाना और सड़क पर, घर के गेट के पास डाल देना आदि..आदि।

तीसरा है - जिन लोगों को अरेस्ट किया या पुलिस स्टेशन में, जेल में जिनके ऊपर अमानवीय दमन और

हिंसा हुई या जेल में भी रहे। या जेल में रहे हिंसा भले ही नहीं हो, जेल में रहने के कारण कई लोगों के आजीविका पर असर हुआ और उनके घरें में, परिवारों में कमाई करने वाला नहीं है और वो जेल में हैं तो इस कारण जो परिस्थिति बच्चों के लिए, परिवार के लिए थी, उसको संभालने का और उन लोगों के योगक्षेम की व्यवस्था करने के लिए, ये बहुत बड़ा काम था। और चौथा सबसे महत्वपूर्ण संघर्ष करते हुए आपातकाल के विरुद्ध लोगों की आवाज खड़ा करने के लिए, सत्याग्रह करने के लिए जो योजना बनी उसको सफल बनाना। तो यह चार प्रमुख काम उन दिनों में बहुत ही अच्छी योजना से सफलता पूर्वक बना सके।

कई बार लगता है कि उस` रूरता को भी याद करना` या? संघ के तृतीय पूजनीय सरसंघचालक बालासाहब देवरस जी ने आपातकाल के पश्चात एक बहुत महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया था। अपने सार्वजनिक भाषण में कहा था ङ्क फॉरगिव एंड फॉरगेट। जो हो गया, हो गया। उसको भूल जाओ, उसको क्षमा करो। लेकिन देश के इतिहास में, जिस एक काले अध्याय के दौरान घोर दमन और अत्याचार हुआ वो इतिहास के पन्नों पर है। कई पुस्तकें इस विषय पर आई हैं। व्यक्तिगत तौर पर भी लोगों ने लिखा है और संगठनों ने भी साहित्य प्रकाशित किया है। इसलिए, नहीं भी बताएंगे तो भी वो है ही।

` रूरता और अमानवीयता बहुत व्यापक प्रमाण में हुई। अपने देश में पुलिस-प्रशासन की व्यवस्था ऐसी बर्बरता दिखा सकती है, इसका एक अनुभव आपातकाल में हुआ। हाथ दोनों बांधकर ऊपर से खींचना और उस समय उनकी पीठ पर उनके पैर पर लाठी से मारना।

उस समय तीन प्रकार की` रूरता हुई। एक जो अरेस्ट हुए उनके साथ लॉकअप में, पुलिस स्टेशन में ` रूरता हुई, उनको जेल भेजने से पहले। उस समय आंध्रप्रदेश (आज तेलंगाना) के एक कार्यकर्ता को कैंडल से शरीर पर लगभग सौ जगह जलाया गया, जबरन उनके मुंह से कुछ कहलवाने के लिए। किसी को नारियल के अंदर कीड़े रखकर नाभि के ऊपर बांध दिया गया। या पुलिस की भाषा में ऐरोप्लेन कहते हैं, गोली कहते हैं, चपाती कहते हैं, ये सब हिंसा के अलग-अलग प्रकार रहे। सीधा बिठाकर उसके ऊपर रोलिंग करना, इर्लो ट्रक शॉक दो या पिन अंदर घुसा दो। इस प्रकार के भयानक अत्याचार किए।

लॉकअप में तीन दिन, चार दिन अमानवीय अत्याचार सहन जेल में आए लोगों का जेल में आने के बाद 10 दिन, 15 दिन तक उनकी मालिश करना, ये सब मैंने भी किया है। इन अमानवीय अत्याचारों से कुछ लोग जीवनभर विकलांग हो गए, कुछ लोगों को जीवनभर किसी न किसी प्रकार की व्याधि हो गई। ऐसा हमारी आंखों के सामने हुआ। जिनके साथ ऐसा हुआ, उनके मुंह से किसी भी प्रकार के कोई अपशब्द नहीं आए, इस आंदोलन से दूर नहीं गए। या उनके घर के लोगों ने संगठन को नहीं छोड़ा। कर्नाटक में पुलिस स्टेशन के अंदर राजू नाम के एक व्यक्ति की हत्या हो गई। ऐसे लॉकअप में कई प्रकार की हिंसा देश भर में बहुत जगह पर हुई।

ओमप्रकाश कोहली जी दिल्ली में थे, जो राज्य सभा सदस्य रहे, विद्यार्थी परिषद के अखिल भारतीय अध्यक्ष भी रहे, सब जानते हैं कि ओमप्रकाश कोहली जी चलने में थोड़ा- सा दिव्यांग थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में उनको पुलिस ने लात मारी थी। लॉकअप में उनके साथ अत्यंत अपमान का व्यवहार किया। वो कॉलेज के प्रोफेसर थे। खड़े होना मुश्किल था। ऐसे व्यक्ति के साथ ऐसा किया। ऐसे देश भर में हुआ है।

बंगलूर में गायित्री करके एक महिला ने आपातकाल के खिलाफ सत्याग्रह किया। सत्याग्रह करने के बाद उनको अरेस्ट किया। जेल में ले गए। वो गर्भवती थी, वो सत्याग्रह करके आई थीं...लॉकअप में लेकर जाने के बाद उन्हें प्रसव वेदना हुई तो हॉस्पिटल लेकर गए। हॉस्पिटल में उनको पलंग पर सुलाया था और उनकी डिलीवरी के समय उनके दोनों पैरों को जंजीर से बांधा हुआ था। उन बातों को आज याद करने से अपने मन में अनावश्यक यातना होती है. गर्भवती महिला कहीं भाग जाएगी, ऐसा तो नहीं है और डिलीवरी हो गई तो उनको बांध कर रखने की` या जरूरत थी?

उत्तर भारत में व्यापक प्रमाण में नसबंदी हुआ, पकड़-पकड़ कर की। उस समय की सरकार को, प्रशासन को चलाने वाली चौकड़ी थी। उसमें जो भी लोग थे, उन्होंने नसबंदी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए, देश के अंदर जनसं या नियंत्रण करने के लिए, जिस प्रकार आपातकाल का दुरुपयोग किया...वह घोर अमानवीय और मानवाधिकार के विरुद्ध के इतिहास के पन्नों पर हमेशा एक काला धब्बा है।

जेल में क्रिमिनल कैदी भी रहते हैं, उन लोगों को राजनीतिक कैदियों के खिलाफ उकसा कर झगड़ा करवा दिया, उनसे मारपीट करवाई। जेल के अंदर ऐसा जानबूझकर करवाने का प्रयत्न किया। झगड़े हो गए, बल्लारी जेल में लगभग 25 लोगों की हाथ की, पैर की हड्डी टूट गई। महीनों तक उनको अस्पताल में रखना पड़ा। सामान्यतः जो टॉर्चर हुआ, अधिकतर टॉर्चर पुलिस लॉकअप में हुआ वो स्वयंसेवकों पर ही हुआ। इसके दो कारण हैं। एक - भूमिगत काम में सक्रिय स्वयंसेवक अधिक थे, इसलिए वही पकड़े गए। दूसरा - उनको लगता था कि इनसे बहुत जल्दी हम बुलवाएंगे। उदाहरण के लिए, अंडरग्राउंड लिटरेचर छपता था, पूछते थे - कहां छपता है। तो स्वयंसेवक बोलता नहीं था। टॉर्चर करने के बाद भी स्वयंसेवक के मुंह से शब्द नहीं निकलते थे। इसलिए उनका अधिक टॉर्चर हुआ।

लोकतंत्र, प्रजातंत्र के अंतर्गत ही अपने को संघर्ष करना चाहिए। संविधानात्मक ढंग से ही करना चाहिए। बंदूक उठा कर क्रान्ति नहीं करनी है। शस्त्र उठाकर, संघर्ष करके आपातकाल का विरोध करना गलत है। ऐसा समिति का स्पष्ट अभिप्राय था। लोगों को हिंसा के मार्ग पर नहीं लाना, यह स्पष्ट निर्देशित था। सत्याग्रह यानि कैसे...तो किसी भी सड़क के चौराहे पर या किसी जगह पर, बस स्टैंड पर, रेलवे स्टेशन पर, जितनी सं या में हो सके उतनी सं या में लोग आना। आपातकाल के विरोध में नारे लगाना, अपनी डिमांड के नारे लगाना। पुलिस आएगी पकड़ेगी, लेकर जाएंगे। सत्याग्रह करना, और यथा संभव साहित्य पर्चे लोगों को देना,` योंकि कोई और रास्ता नहीं था। इसलिए सत्याग्रह के लिए जाते समय जेब में, थैली में पर्चे रखो, सबको दो।

इस आपातकाल को जनता ने स्वीकार नहीं किया है, यह लोकतंत्र के विरुद्ध है। लोकतंत्र का दमन हो गया है। इसलिए इसके विरुद्ध आवाज उठाना, समाज मरा नहीं है, ऐसा दिखाना, सत्याग्रह का यह बहुत बड़ा एक उद्देश्य था। जगह जगह पर लगभग 49 हजार से अधिक सत्याग्रही अरेस्ट हुए।

संघ ने सारे संघर्ष में, जयप्रकाश नारायण के आन्दोलन में और बाद में आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष में काम किया। इसलिए संघ का दमन करना, यह मु य बात होने के कारण अन्य 25 संगठन के साथ संघ को भी बैन कर दिया था। इसलिए संघ पर प्रतिबंध लगाना और संघ का दमन करना, यह सरकार के वरिष्ठों के, नेताओं के, प्रधानमंत्री का स्पष्ट उद्देश्य था। संघ का दमन करने के लिए स्वयंसेवकों की पुरानी-पुरानी सूची उनको मिली और कहीं किसी डायरी में मिल गयी या कार्यालय उन्होंने बंद करवाए। कार्यालय पर छापेमारी की, कार्यालय पर ताला लगाया, कार्यालय के अंदर जो सूची मिली...तो कार्यकर्ताओं की सूची, गुरु दक्षिणा की सूची तो ऐसी सूची पकड़-पकड़ कर उन घरों में गए। घर पर बैठे व्यक्ति को भी ले गए, उनको संघ की व्यवस्था पद्धति का लाभ मिला। संघ के कार्यकर्ता सरकारी या कॉलेज में, बैंक में नौकरी में हैं तो दबाव डालकर उनको वहां सस्पेंड किया, व्यापारियों पर दबाव बनाया।

बहुत सारे स्वयंसेवक नित्य की शाखा में नहीं थे। कई वर्ष पहले वो शाखा के नित्य के काम में थे। किसी न किसी व्यक्तिगत कारण से, घर की कुछ कठिनाई के कारण नित्य शाखा के काम में नहीं होंगे। हमारे लिए गर्व का विषय है कि बहुत बड़ी सं या में ऐसे स्वयंसेवक आपातकाल में भागे नहीं, दूर नहीं गए, उल्टा सक्रिय हो गए। उन्होंने कहा - देखो, हम स्वयंसेवक हैं। पुलिस को पता नहीं है` योंकि हमारे नाम अभी सूची में नहीं है, इसलिए हमारे घर का उपयोग करिए। हमारे घर में भूमिगत कार्यकर्ता रुकें, भोजन करें,` योंकि हमारे घर पुलिस के राडार में नहीं है। ये कहने की हि मत स्वयंसेवकों ने की, उन्होंने अपनी तरफ से हर प्रकार का सहयोग किया। दूसरे संगठन, दूसरी पार्टी...के लिए भी स्वयंसेवकों ने किया। सर्वोदय के दो कार्यकर्ताओं के घर में कर्नाटक में जब परिस्थिति अच्छी नहीं थी, संघ के स्वयंसेवकों ने उनकी व्यवस्था की। संघर्ष के लिए जो निधि चाहिए, वो भी स्वयंसेवकों ने समाज से इकट्ठा की।

किसी भी देश में लोकतंत्र जहां है, वहां लोक की आवाज को दमन करने का, कुचलने का कोई भी प्रयत्न सफल नहीं हो सकता। और कुछ समय के लिए आप दमन कर सकते हैं। जैसे 20 महीने आपातकाल रहा, लेकिन दमन नहीं हो सकता। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों की आवाज हमेशा बुलंद रह सकती है, उसको बुलंद रहना चाहिए। आपातकाल के विरुद्ध के संघर्ष यों सफल हुआ?` योंकि लोगों को जागृत करने और संगठनात्मक नेतृत्व ने उस समय लोगों को योग्य मार्गदर्शन दिया।

उस आंदोलन में विशेष कर विद्यार्थियों, युवाओं के आंदोलन से देश भर में एक परिवर्तन के लिए आंदोलन चला। इसलिए देश के नौजवान विद्यार्थी और नौजवान लोग देश समाज के बारे में जागृत रहकर अपनी आवाज उठाना, सही दिशा` या है इसके बारे में निर्णय करते हुए एक प्रबल जनशक्ति की आवाज बनना, यह हमेशा उनकी ट्रेनिंग रहती है तो समाज के लिए हमेशा एक रक्षाकवच बनता है, आशादीप बनता है।

जेल में सुबह से शाम तक हम कै प जैसे चलाते थे। डीआईआर में जिनके केस चलते, वे 15 दिन या एक महीने में कई बार जेल से छूट जाते थे, बेल मिल जाती थी। मीसा में, न कोई चार्जशीट, न ही कोई कोर्ट, ऐसे चलता था। इसलिए मीसा में रहने वाले लोगों की जीवन शैली अलग थी। मीसा में रहने वाले लोग आए तो बाहर जाएंगे, कब जाएंगे कोई पता नहीं। जेल में अंग्रेजों के जमाने के कानून थे। उन दिनों वो कानून ही चलता था। स्वयंसेवकों ने जेल के अंदर उन कानूनों के खिलाफ भी संघर्ष किया, कानून के खिलाफ ज्ञापन देना, उसके खिलाफ सत्याग्रह करना, अंदर अनशन करना, ये सब किया तो इस कारण प्रशासन को कुछ कानून बदलना पड़े।

इसी बीच, सॉलिसिटर जनरल नीरेन डे ने सुप्रीम कोर्ट में आर्गुमेंट किया और उनके आर्गुमेंट को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार भी कर लिया। उनका आर्गुमेंट था - मीसा के तहत लोगों को देश की सुरक्षा के लिए रखा है, उनके ऊपर कोई चार्जशीट नहीं और कब तक रहना है, इसकी कोई गारंटी नहीं है। ञ्जद्धद्ग4 may end their life in jail. दूसरा आर्गुमेंट किया - यदि देश की सुरक्षा के लिए उनको जेल के अंदर ही शूट भी किया तो भी सरकार पर कोई अपराध नहीं है।

लोकसभा के सदस्य कामत ने कमेंट किया - इट इज़ नॉट अमेंडिंग द कांस्टीट्यूशन, इट इज़ नॉट मेंडिंग द कॉस्टीट्यूशन, इट इज़ एंडिंग द कॉस्टीट्यूशन।

सरकार ने संविधान के साथ` या किया, इट वाज़ ऑलमोस्ट एंडिंग द कॉस्टीट्यूशन। उन्होंने अमेंडमेंट किया, संविधान की प्रस्तावना में से युलरिज्म और सोशलिज्म, दो शब्दों को जोड़ा। जो पहले नहीं थे। वो आज तक हैं। उस समय संविधान के साथ छेड़छाड़ करने के भरपूर प्रयत्न किए गए। लोकसभा के पांच वर्ष के कार्यकाल को छह वर्ष किया, एक वर्ष ज्यादा कर दिया था। उन सारी चीजों को जनता सरकार आने के बाद फिर से संशोधन करके ठीक किया गया।

मेरा हमेशा कहना है - लोकतंत्र सुरक्षित है, अपने देश की संसदीय व्यवस्था, संविधान वगैरह के कारण। लेकिन उससे भी बढ़ कर जागृत समाज और उनको जागृत रखने के कार्य करने वाले समाज का गैर राजनीतिक नेतृत्व उनके जीवन की स्वच्छ, निःस्वार्थ और देश भक्ति की उनकी प्रखरता, यह यदि है तो समाज के लोग भी ऐसे लोगों के समर्थन में खड़े होते हैं। इसलिए हमेशा देश के लिए इस प्रकार का नेतृत्व समाज में हर क्षेत्र में रहना चाहिए, वह देश के लिए भरोसा है।

जापान के नागोया में पहली बार निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

भारत-जापान मैत्री को मजबूत करने अब हर साल निकलेगी रथयात्रा

भोपाल। भगवान जगन्नाथ के प्रति आस्था जापान में भी देखी गई है। यहां रह रहे भारतीयों और जापानी नागरिकों ने सोमवार को पहली बार भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा का आयोजन किया। दोनों देशों के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। भारत-जापान मैत्री को और अधि?क मजबूत करने के लिए अब प्रतिवर्ष भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा विधि-विधान से निकाली जाएगी। कार्यक्रम में जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज एवं नायोया के मेयर ताकाशी कावामूरा भी स मिलित हुए।

ऑटो मोबाइल उद्योग के लिए विश्व में प्रसिद्ध नागोया जापान के चुबु क्षेत्र का सबसे बड़ा नगर है। यह जापान का तीसरा सबसे बड़ा और चौथा सबसे ज्यादा जनसं या वाला महानगर होने के साथ ही आइची प्रांत की राजधानी है। यहां बड़ी सं या में अप्रवासी भारतीय भी रहते हैं।

आयोजन से जुड़े ऑटोमोबाइल

इंजीनियर निशांत पाठक ने बताया कि भारत एवं जापान की मित्रता को दर्शाती भव्य जगन्नाथ यात्रा मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम को जापानी भाई-बहनों ने भी उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। इस मौके पर भारत एवं जापान के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। मध्य प्रदेश निवासी नीर पाठक ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी। भारत से मशहूर ओडिसी नृत्य गुरु गजेंद्र कुमार पांडा, तबला वादक पंडित प्रसेनजि?त पोद्दार, गायिका विदुषी संगीता पांडा भी स मिलित हुए। वहीं जापान के कलाकारों ने भारतीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी।

जगन्नाथ को अर्पित किए छप्पन भोग श्री जगन्नाथ जी की स्थापना केसुगुई क्षेत्र में रहने वाले श्रीरुद्र मोहंती के निवास पर हुई। पूरे भक्ति भाव से आयोजित इस समारोह में भगवान जगन्नाथ जी को छप्पन भोग लगाया गया। अंत में भारतीय प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन से जुड़े भारतीय-जापानी समुदाय ने यह तय किया कि अब प्रतिवर्ष जगन्नाथ जी रथ यात्र निकाली जाएगी।

भारत और जापान के देवता भी एक भारतीय राजदूत सि?बी जॉर्ज ने सभी को संबोधित करते हुए कि भारत और जापान में एक ही भगवान को माना जाता है। उन्?होंने कहा कि भारत एवं जापान में सरस्वती जी, गणेश जी, महाकाल एवं भगवान बुद्ध की पूजा की जाती है।

मध्यप्रदेश में अतिक्रमण विरोधी अभियान बंद करने के आदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग मंत्रालय से अपर सचिव श्री चंद्रशेखर वालींबे ने समस्त कले टरों के नाम जारी आदेश में लिखा है कि वर्षा काल में अतिक्रमण विरोधी अभियान बंद कर दिए जाएं।

गुमटियां और ठेले भी नहीं हटाए जाएंगे

आदेश क्रमांक 906/2023/सात / शा-2 दिनांक 26 छ्वह्व 2023 में लिखा है कि, मध्यप्रदेश शासन, भू-परिमाप तथा बन्दोबस्त विभाग का ज्ञापन क्रमांक 22-27-8- 76. दिनांक 1.9.76 के संदर्भ अनुसार, वर्षाकाल में नजूल भूमि पर निर्मित आवासीय स्वरूप के अतिक्रमणों को न हटाये जाने तथा गुमटियों, ठेले और व्यावसायिक अस्थाई अतिक्रमण भी वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराये जाने तक न हटाया जावे, संबंधी निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जावे।

गरीब मरीजों के लिए ए स में बेड-भोजन की व्यवस्था, चाय नाश्ते का भी ध्यान रख रही ये समिति

भोपाल। भेल से रिटायर कई अधिकारी एवं कर्मचारी समाज सेवकों के साथ मिलकर समाज के गरीब मरीजों और उनके परिजनों के लिए ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (ह्रढ्ढरूस्) में कई मु त सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं. सभी लोगों ने सुख सागर समिति के नाम से एक कमेटी बनाई है जिससे वे गरीब मरीजों की मदद कर रहे हैं. 2015 में पहले 60 बेड की सुविधा उपलब्ध की गई थी फिर कुछ दिनों बाद इसे 100 बिस्तर में तब्दील कर दिया गया. समिति के सदस्य जल्द ही इस सुविधा को 1000 बिस्तरों की व्यवस्था करना चाहते हैं ताकि अन्य गरीब मरीजों को भी सुख सुविधाएं मिल सकें.

सुखसागर समिति के प्रेसिडेंट एमके भारद्वाज ने बताया कि ए स अस्पताल काफी बड़ा है, जिससे दूर से आने वाले मरीजों के लिए सही जगह पर सही समय पर पहुंचना कठिन हो जाता है. इसीलिए सुखसागर समिति मरीजों और उनके परिजनों की मदद करती है, ताकि वे अस्पताल में उनकी सही जगह पहुंच सकें. हमीदिया अस्पताल में भी कुछ समाज सेवा संगठनों की ओर से इस काम को किया जाता है, जिससे सुखसागर समिति भी प्रेरित हुई है. समिति के कई सदस्य अस्पताल में वॉलिंटियर के रूप में मौजूद हैं, जिनका काम मरीजों को उनके रोग संबंधी डॉ टर तक पहुंचाना होता है. इसके अलावा अस्पताल में एक जगह बनाई जाएगी जहां से मरीज और उनके परिजन अस्पताल में किसी भी डॉ टर या विभाग के लिए पूछताछ कर सकेंगे.

दान दक्षिणा से चलता है ये संगठन

साकेत नगर रोड 9ड्ड की बागसेवनिया में स्थित एक हॉल मरीजों और उनके परिजनों को रहने की सुविधा प्रदान करता है. इस हॉल के पीछे गंगेश्वर शिव मंदिर है, जिससे ये स्थान आसानी से पहुँचा जा सकता है. संगठन के प्रेसिडेंट एमके भारद्वाज ने बताया कि इस हॉल में 100 पलंग हैं. जिससे मरीजों और उनके परिजनों की आवश्यकता पूरी की जा सकती है. इस जगह पर किचन और टॉयलेट की भी सुविधाएं हैं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को सही संग्रहालय प्रदान की जा सकें. यह संगठन सरकार के खर्चे से नहीं बल्कि दान दक्षिणा से चलाया जाता है.

मात्र 60 रुपए में रुकने और खाने की व्यवस्था

आज के समय में 60 रुपए में भरपेट खाने को भी नही मिलता है, पर ये समिति मात्र 60 रुपए में रुकने और खाने के साथ-साथ सुबह, दोपहर का नाश्ता भी करवाती है, ताकि कोई भी भूखा ना सोए. आपको बता दें कि यहां पर रुकने के लिए 100 बेड लगाए गए हैं. महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग बेड का इंतजाम किया गया हैं.

जल्द घोषित और लागू होगी मध्यप्रदेश की आई. टी. पॉलिसी- मंत्री सखलेचा

आई. टी. आधारित निवेश, रोजगार, बुनियादी ढांचा और शोध आधारित विकास पर फोकस

सिवनी यशोः- मध्यप्रदेश की आईटी - आईटीईएस और ईएसडीएम नीति शीघ्र ही घोषित और लागू की जाएगी। यह जानकारी विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी तथा एमएसएमई मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने दी है। उन्होंने नीति के प्रारूप की समीक्षा भी की।

मंत्री श्री सखलेचा ने बताया कि इस नीति का लक्ष्य सभी कारकों का समावेश कर आईटी क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए एक जीवंत तथा समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना है । निवेश, रोजगार, नवाचार और उद्योगों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने पर नीति में विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि 2023 के लिए मध्य प्रदेश की आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम नीति उद्योग जगत से विचार-विमर्श के विभिन्न सत्रों और विभिन्न राज्य की नीतियों की बेंचमार्किंग के पश्चात बनाई गई है।

नीति का प्रमुख उद्देश्य प्रोत्साहन प्रदान कर और नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाकर आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना है। यह नीति व्यवसाय-अनुकूल वातावरण बनाने और उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करने पर केंद्रित है।मंत्री श्री सखलेचा ने बताया कि नीति का लक्ष्य अगले 5 वर्षों में मध्यप्रदेश में आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम क्षेत्र में 10 हजार करोड़ रूपए का निवेश आकर्षित कर 2 लाख नई नौकरियां सृजित करना है। इसमें 10 मिलियन वर्गफुट आईटी, ईएसडीएम इंफ्रास्ट्रक्चर स्पेस का निर्माण, राज्य भर में अत्याधुनिक आईटी पार्क, भवन, प्लग एंड प्ले स्पेस को आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम के लिए प्लग एंड प्ले और रेडी टू बिल्ड फ़ै टरियां शामिल कर बुनियादी ढांचा खड़ा करने पर जोर दिया गया है।

राज्य में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देना भी नीति का अहम हिस्सा है।उन्होंने बताया कि ड्रा ट नीति नवीन विशेषताएं प्रस्तुत करती है, जो उद्योग के समक्ष आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान भी सुझाएगी।ड्रा ट नीति में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स के लिए छ्क्क्ष्ङ्क सहायता का विशेष प्रावधान प्रदान करके विश्व स्तरीय आईटी बुनियादी ढाँचा विकसित करने के प्रावधान शामिल हैं। इस नीति का प्रमुख उद्देश्य अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम पार्क और अन्य सहायक बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देना है।

नीति में इले ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है और पूंजी सब्सिडी कैपिंग को बढ़ाकर उनका समर्थन किया गया है। प्रारूप नीति में ईएसडीएम इकाइयों में निवेश आकर्षित करना, स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना और एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना शामिल है।ड्रा ट नीति विविध औद्योगिक परिदृश्य और समावेशिता के महत्व को प्रदर्शित करती है। यह नीति वृहद् और एमएसएमई दोनों प्रकार के उद्योगों की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करती है। यह समावेशी दृष्टिकोण सुनिश्चित करती है, जिससे सभी प्रकार की इकाइयाँ नीति का लाभ उठा सकें और राज्य की आर्थिक प्रगति में योगदान दे सकें।

नीति व्यवसायों को अपना संचालन स्थापित करने में मदद करने के लिए किराये में सहायता और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए रोजगार सृजन सहायता प्रदान करती है। यह नीति टेस्टिंग, कैलिब्रेशन प्रयोगशालाओं, गुणवत्ता प्रमाणन, पेटेंटिंग और स्टैंडअलोन शोध और विकास इकाइयों का समर्थन करने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन के माध्यम से प्रतिष्ठानों को सहायता प्रदान करके अनुसंधान और विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित करती है। ड्रा ट नीति राज्य में विभिन्न प्रकार के डेटा सेंटर्स को आकर्षित करने पर जोर देती है। नीति में डेटा सेंटर इकाइयों के लिए विभिन्न वित्तीय प्रोत्साहन प्रावधान विशेष रूप से तैयार किए गए हैं। नीति में अनुकूलित पैकेज के माध्यम से क्षेत्र में मेगा परियोजनाओं का समर्थन करने का भी प्रावधान है।

नीति का लक्ष्य आईटी-ईएसडीएम क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए एक जीवंत और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जिससे मध्य प्रदेश को आईटी के लिए एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया जा सके।

जिलास्तरीय जनसुनवाई में 66 आवेदन प्राप्त हुए

सिवनी यशोः- प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई कले टर अपर कले टर श्री सीएल चनाप एवं संयुक्त कले टर श्री अमित ब हरोलिया की अध्यक्षता में कले ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। जनसुनवाई में सहित सभी विभागाधिकारियों की उपस्थिति रही। आयोजित जनसुनवाई में जिले के समस्त ग्रामवासी आमाकोला द्वारा ग्राम की नाली साफई करवाने विषयक, ग्राम कुकलाहा टोला द्वारा ग्राम पंचायत द्वारा कराए गए स्टॉप डेम निमार्ण कार्य की जांच कराने विषयक, ग्राम मोहगांव निवासी कमलेश जांगड़े द्वारा ब्रेन हेमरेज बीमारी के इलाज हेतु सहायता राशि उपलब्ध कराने विषयक, ग्राम समनापुर निवासी अनुसुइया उइके द्वारा ग्राम के आंगनबाड़ी हुई कार्यकर्ता पद हुई नियुक्ति की जांच कराए जाने विषयक, विवेकानंद वार्ड निवासी अजीजा बी द्वारा नल कने शन प्रदाय करने विषयक, शास्त्री वार्ड मानेगांव रोड निवासी एस एस सिसोदिया द्वारा जलवर्धन योजना कार्यो के दौरान बबरिया मानेगांव रोड को क्षतिग्रस्त करने की शिकायत एवं सड़क सुधार कार्य करवाने विषयक, बारापत्थर निवासी मीराबाई द्वारा ग्राम भालीवाड़ा स्थित कृषि भूमि पर अनावेदकगणों द्वारा कृषि कार्य न करने देने की शिकायत विषयक, खाद्यान्न पर्ची, गरीबी रेखा का कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने विषयक सहित कुल 66 आवेदन प्राप्त हुए।

अपर कले टर श्री चनाप ने आवेदकों की समस्याओं को सुनते हुए उपस्थित संबंधित विभाग प्रमुखों को आवेदनों पर शीघ्र नियमानुसार कार्यवाही कर आवेदकों की समस्याओं का निराकृत करने के निर्देश दिए।

सिवनी के गणेशचौक में मु त स्वास्थ परामर्थ केंद्र का हुआ शुभारंभ

सिवनी यशोः- बरघाट रोड के गणेश चौक सिवनी में मेडिट्रीना सोशल वेलफेयर फाउंडेशन और मेडिट्रीना इस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस रामदास पेठ नागपुर के सौजन्य से जगतगुरु स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज के परमशिष्य स्वामी प्रज्ञानंद जी महाराज के करकमलों में आज मंगलवार को मु त स्वास्थ परामर्श केंद्र का उद्घाटन पूजन अर्चना के साथ ही शुभारंभ हुआ। इस शुभारंभ के अवसर पर सिवनी के सैकड़ों गणमान्य नागरिकों के साथ ही सोशल कार्यकर्ता व मेडिट्रीना इस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस रामदास पेठ नागपुर के स्वयं प्रबंधक न्यूरो सर्जन डॉ. समीर पालतेवार व उनकी टीम के प्रमुख डॉ अर्पण पांडे कार्पोरेट डायरे टर,समीर सर्वेश डोमने,सचिन तरारे सादाब खान व अन्य उपस्थित रहे। डॉ समीर पालतेवार ने इस्टीट्यूट के विषय मे जानकारी दी उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया की हमारा इस्टीट्यूट मु त परामर्श के साथ ही बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवा रहा है हमारा उद्देश्य छोटे शहरों में मरीजों को उपचार की सुविधा प्रदान कर आम लोगों पर बीमारी की वजह से पड़ने वाले शरीरिक ,भावनात्मक और आर्थिक बोझ को कम करना है स्वास्थ सुविधा से जुड़े विशेषज्ञ जिनमें कार्डियक साइंस, ऑन्कोलॉजी, आर्थोपीडि स, न्यूरोसाइंस, पल्मोनोलॉजी, गैस्ट्रोसाइंस, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, पीडिएट्रि स, गाइनेकोलॉजी, रेडियोलॉजी, इंटरनल मेडिसिन, क्रिटिकल केयर और इमरजेंसी मेडिसिन और डेंटिस्टरी की सेवा उपलब्ध कराएंगे।यदि आप के जानकारी में ऐसे लोग जो आर्थिक रूप से कमजोर है व बड़ी बीमारी से पीड़ित है उनके बेहतर इलाज के लिए यह वरदान सावित होगा ।डॉ अर्पण पांडे ने कहा कि सभी तरह के इमरजेंसी एवं ट्रॉमा केयर की सुविधा के साथ-साथ विभिन्न तरह के रोगों का इलाज यहाँ संभव होगा।संस्थान के शुभारंभ अवसर पर समाजसेवी संगठन के डॉ बलपान ठाकुर ,? प्रकाश ठाकुर,रीना श्रीवेल व अन्य का अतुलनीय योगदान रहा।

ग्राम तिघरा में आयोजित किया गया विधिक साक्षरता/जागरुकता शिविर

सिवनी यशोः- प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री राजीव आप्टे एवं जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी श्री विकास शर्मा के मार्गदर्शन में ग्राम तिघरा में विवाद विहीन ग्राम योजना 2000 एवं नालसा-सालसा के संबध में जानकारी प्रदान किये जाने हेतु विधिक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में श्रीमती गुन्ता डांगे जिला विधिक सहायता अधिकारी, ग्राम पंचायत सरपंच मोहन लाल डहेरिया, ग्राम रोजगार सहायक श्री रमेश कुमार बघेल एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती गुन्ता डांगे द्वारा विवाद विहीन ग्राम योजना 2000 की विस्तृत जानकारी प्रदान करते बताया कि गांव में किसी भी व्यक्ति के सिविल या आपराधिक प्रकरण न्यायालय में न चल रहें हों ऐसे ग्राम को विवाद विहीन ग्राम घोषित किया जाता है एवं ग्राम के लिए गठित समिति द्वारा समय-समय पर उत्पन्न होने वाले प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों को प्रारंभिक स्तर पर ही समझाईश एवं समझौते के माध्यम से निपटाया जाता है। उपस्थित सरपंच से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम में 7 से 8 विवाद न्यायालय में चलना बताया गया है साथ आपने निःशुल्क विधिक सहायता योजना की जानकारी देते हुये बताया कि किसी भी प्रकार का सा पादिक (भूमि संबंधि), पारिवारिक विवाद, अपराधिक विवाद, होने पर प्रकरण को न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु निःशुल्क पैनल वकील प्रकरण पैरवी करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त करने की जानकारी दी गई। पुत्री का माता-पिता की स पत्ति में अधिकार विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी एवं आपने कहा कि जानकारी के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों में पति द्वारा महिलाओं को छोड़ दिये जाने पर माता-पिता पर आश्रित होकर जीवन-यापन करती है जबकि वे न्यायालय में भरण-पोषण, घरेलू हिंसा, पुर्नस्थापना, विवाह विच्छेद का प्रकरण प्रस्तुत कर सकती है, जिसके लिये जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क अधिवक्ता प्रदान किया जता है। इसके साथ ही भरण-पोषण, मीडियेशन, परिवार विवाद समाधान केन्द्र, नैशनल लोक अदालत, लोक उपयोगी लोक अदालत आदि के बारे में भी जानकारी दी गई।

जप्त वाहनों के तय समय सीमा में स्वामित्व प्रस्तुत न करने पर की जाएगी नीलामी

सिवनी यशोः- थाना प्रभारी थाना केवलारी द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न प्रकरणों में पुलिस ऐ ट में जप्तशुदा विभिन्न कंपनियों के 11 नग दो पाहिया वाहन जर्जर एवं कंडम स्थिति में पुलिस चौकी पलारी प्रांगण में रखे हुए हैं। जप्तशुदा 11 नग वाहन 25 पुलिस ऐ ट अंतर्गत जप्त किए गए हैं, वाहनों के स्वामित्व धारकों को आम इस्तहार के द्वारा सूचित किया जाता है कि सूचना प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि के भीतर न्यायालय उपखण्ड मजिस्ट्रेट केवलारी में मूल दस्तावेज सहित उपस्थित होकर अपना स्वामित्व अधिकार प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी एवं वाहनों की नीलामी निस्पादित की जाएगी।

अयोध्या में शरारती तत्वों ने बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा को किया गायब, हरकत में आई पुलिस

भोपाल। अयोध्या में बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा चोरी का मामला सामने आया है. मूर्ति की चोरी की घटना से दलित समाज में आक्रोश फैल गया. मवई थाना क्षेत्र के मवई गांव में 20 साल पहले बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित की गई थी. सोमवार को मूर्ति चोरी की सूचना को पुलिस ने गंभीरता सेलिया. हरकत में आई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है. सीओ रुदौली सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि कैलाश गौतम नामक व्यक्ति ने मूर्ति गायब होने की सूचना दी थी. उसने बताया था कि मवई गांव के पास आवंटित जमीन पर बाबा साहेब आंबेडकर पार्क का निर्माण जन सहयोग से होना था.

पूजा करने गए लोगों को गायब मिली आंबेडकर की मूर्ति

समतलीकरण से पहले जमीन की पैमाइश हो गई थी. कुछ दिन पहले जमीन की पैमाइश के लिए स्थानीय तहसील से लेखपाल ने भी मौके पर निरीक्षण किया था. आज सुबह पूजा अर्चना करने पहुंचे ग्रामीणों ने देखा कि कोठरी से बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा गायब है. मूर्ति चोरी की वारदात रविवार की रात को अंजाम दिया गया. सुबह होने पर लोग पूजा अर्चना करने पहुंचे. मौके से लोगों को आंबेडकर की मूर्ति गायब मिली.

पिकनिक मनाने गए 6 लोग बेतवा नदी में फंसे

भोपाल। भोपाल में मंगलवार सुबह से बारिश हो रही है। ग्वालियर में आज सुबह इस मानसून सीजन की पहली बारिश हुई। जबलपुर, नर्मदापुरम और आसपास के जिलों में भी रुक-रुककर पानी गिर रहा है। ओरछा में पिकनिक मनाने गए 6 लोग बेतवा नदी में फंस गए। ये सभी नदी के बीच चट्टानों के बीच बैठे थे। इस दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया। रेस्‍ यू टीम ने सभी को सुरक्षित निकाल लिया है।

मौसम वैज्ञानिकों ने बैतूल, हरदा, बुरहानपुर और खंडवा में अति भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, रतलाम, उज्जैन, देवास, गुना, अशोकनगर, रीवा, सतना, उमरिया, डिंडोरी, जबलपुर, बालाघाट, पन्ना, दमोह और सागर में भारी बारिश के आसार भी विभाग ने बताए हैं।

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु 8 जुलाई तक ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें छात्र

सिवनी यशोः- जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी स्कूली छात्र-छात्राओं के लिये पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। म.प्र. टुरिज्म बोर्ड भोपाल एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित होने वाली पर्यटन क्विज प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित होगी। पहले चरण में जिला स्तरीय प्रतियोगिता एवं दूसरे चरण में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता करायी जायेगी।

जिला क्वीज नोडल अधिकारी श्री संदीप मिश्रा प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन जिला सिवनी ने बताया है कि इस प्रतियोगिता में इस वर्ष नवाचार करते हुए रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था ऑनलाईन की गयी है जिससे की विद्यार्थियों शिक्षको को यहा वहा न भटक कर अपने विद्यालय से ही रजिस्ट्रेशन करने की सुविधा प्राप्त हो सके। इस प्रतियोगिता में सभी शासकीय / अशासकीय विद्यालयों के छात्र / छात्रा रजिस्ट्रेशन करा सकते है। क्विज के जिला नोडल अधिकारी श्री संदीप मिश्रा ने बताया है कि जिलें के शासकीय / अशासकीय कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र छात्राएं स्पर्धा में भाग ले सकते है विद्यालय के समस्त प्राचार्य उ.मा.वि. / हाई स्कूल एवं समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जिला सिवनी टुरिज्म बोर्ड की बेबसाईट के माध्यम से ऑनलाईन पंजीयन 8 जुलाई 23 साय- 5-30 बजे के पूर्व कर सकते हैं। जिला स्तरीय प्रतियोगिता 27 जुलाई 2023 को लिखित रूप में प्रातः 10-00 से 12-00 बजे तक होगी। वही मल्टीमीडिया में चयनित टीमों के बीच में दोपहर 2-30 बजे से 4-30 बजे तक प्रतिस्पर्धा होगी जिला स्तर पर विजेता टीम को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर प्राप्त होगा वही मल्टीमीडिया में भाग लेने वाली टीमों को म.प्र. में पर्यटन स्थल पर भ्रमण करने का अवसर मिलेगा। श्री के. के. पटेल जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी ने सभी शासकीय/अशासकीय विद्यालयों को इस क्विज में रजिस्ट्रेशन करने के लिये निर्देशित कर दिया गया है।

60 दिन में राशि डबल के झांसे में फंसे सैकडों ग्रामीण

सिवनी यशोः- सिवनी जिले के बरघाट थाना क्षेत्र के ग्राम धारना कला सहित आसपास के कुछ लोगो को पैसा दुगना करने वाली कंपनी ने चूना लगा दिया इस कंपनी में निवेश करने वाले बहुत व्यक्तियों की राशि दुगनी हुई तो लालच में आकर और व्यक्तियों ने राशि निवेश कर दी साथ ही जिन व्यक्तियों की राशि दुगनी हुई उन व्यक्तियों ने भी अधिक राशि निवेश कर दी परंतु यह राशि जब बहुत अधिक हो गयी तो कंपनी का एप भी बंद हो गया और निवेश के लिये प्रोत्साहित करने वाले भी फरार हो गये । बताया जाता है कि जीएसए ग्लोबल निटवर्किंग नामक कंपनी झींगा पालन उद्योग में निवेश के नाम पर निवेशकों से राशि जमा करा रही थी और उन्हें निवेश राशि 60 दिन में दुगनी करने का दावा कर रही थी पहले तो लोगों ने विश्वास नहीं किया परंतु जब कुछ व्यक्तियों की राशि दुगुनी हो गयी तो व्यक्तियों में लालच आ गया और डरते डरते लोगों ने छोटी छोटी राशियाँ निवेश की परंतु यह छोटी छोटी राशियाँ भी अधिक व्यक्तियों के माध्यम से निवेश करने के कारण अधिक हो गयी और निवेश कराने वाली कंपनी ने राशियाँ लौटाना बंद कर दिया ।

बताया जाता है कि इस नेटवर्किंग कंपनी ने थर्डपार्टी एप के माध्यम से राशि निवेश कराई। कुछ लोगों को कंपनी ने मुनाफे के तौर पर रकम लौटाई, लेकिन कंपनी में कई लोगों ने एक साथ बड़ी रकम निवेश की तो पैसे लौटाना बंद कर दिया।

सिवनी के बरघाट में थर्डपार्टी एप जीएसए ग्लोबल सी फुडस एलियन नेटवर्किंग क पनी ने युवाओं के साथ झींगा पालन में निवेश के नाम पर राशि एकत्रित की है । क पनी ने व्हाट्सएप पर एप की लिंक भेज कर युवाओं से रुपए दोगुना करने दावा किया। झांसे में आकर बरघाट क्षेत्र के कई युवाओं ने एप से लाखों रुपए निवेश कर दिए। कंपनी ने पहले कुछ लोगों को मुनाफा दिया, लेकिन अब कई युवाओं को निवेश की रकम वापस नहीं मिल रही है। उसके बाद युवाओं ने सिवनी एसपी के पास पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज की है।

इस मामले में एसपी रामजी श्रीवास्तव ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच के निर्देश बरघाट थाने की पुलिस को दे दिए हैं। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि ऐसा कोई काम नहीं है जिससे 60 दिन में राशि तीनगुनी हो सके ऐसे प्रलोभनों से आमजनता को बचना चाहिये । बरघाट क्षेत्र की घटना पर पुलिस ने शिकायत के आधार पर सूक्ष्मता से जांच की जा रही है।

जिलास्तरीय स्वरोजगार / रोजगार दिवस कार्यक्रम 30 जून

सिवनी यशोः- प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह आयोजित होने वाले स्वरोजगार/ रोजगार दिवस कार्यक्रम के तारत य में शुक्रवार 30 जून को जनपद पंचायत सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से एक दिवसीय जिलास्तरीय स्वरोजगार /रोजगार दिवस कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों द्वारा शासन के संबधित विभागों की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ लाभार्थियों को वितरित किए जाएंगे।

शहडोल में आकाशीय बिजली गिरने से बाप-बेटे समेत तीन लोगों की मौत

शहडोल। शहडोल के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने से पांच साल के मासूम सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बरसात अब लोगों के लिए परेशानी खड़ी करने लगी है। तेज बारिश के साथ गरज लपक के साथ आकाशीय बिजली कई स्थानों पर गिरी, जिसकी चपेट मे आने से जिले में तीन लोगों की मौत हो गई। एक घटना सोहगपुर थाना क्षेत्र में तो दूसरी पपोंध थाना क्षेत्र में हुई।

इनमें सोहागपुर थाना क्षेत्र के पटासी गांव में खेत में खाद डाल कर वापस आ रहे साइकिल सवार बाप-बेटे की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई है। थाना प्रभारी सोहागपुर अनिल पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि इंद्रपाल सिंह 35 साल अपने बेटे प्रताप सिंह के साथ खेत में खाद डालकर वापस घर लौट रहा था। तभी खेत से महज कुछ दूरी पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से साइकिल सवार बाप-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई है। पुलिस ने बताया है कि दोनों बुरी तरीके से झुलस चुके थे। साइकिल भी पूरी तरीके से जल गई। मामले की जानकारी लगते ही कुछ ही समय में पुलिस मौके पर पहुंच गई और मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

दादा की भी आकाशीय बिजली से हुई थी मौत

सोमवार शाम पांच साल के मासूम प्रताप सिंह की और उसके पिता इंद्रपाल सिंह की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुई है। वहीं, जानकारी के अनुसार मासूम के दादा जयवीर सिंह की सात साल पहले खेत में काम करते वक्त आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुई थी। इस प्रकार सात साल के भीतर एक परिवार की तीन पीढ़ियां आकाशीय बिजली की चपेट में आने से खत्म हो गई। दूसरी घटना पपोंध थाना क्षेत्र में घटी है, यहां 40 साल की महिला सुशीला सिंह खेत में काम कर रही थी, तभी आकाश की बिजली गिर गई और उसकी चपेट में आने से महिला की मौके पर मौत हो गई है। पुलिस ने इन सभी मामलों पर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश प्राथमिक शिक्षक भर्ती - हाई कोर्ट ने 5 साल की छूट दी

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट, जबलपुर ने आज एक महत्वपूर्ण फैसला पारित करते हुए प्राथमिक शिक्षक भर्ती में याचिकाकर्ता व्यक्तियों को आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान करके नियुक्ति देने का आदेश जारी किया है। याचिकाकर्ता श्री आशुतोष चौबे तथा काशी प्रसाद शु ला की ओर से अधिवक्ता श्री रामेश्वर सिंह ठाकुर द्वारा याचिका क्रमांक 13313/2023 के माध्यम से आयु सीमा में छूट की मांग की गई थी।

मध्य प्रदेश सरकारी नौकरी में EWS उमीदवारों को 5 साल की छूट

आज दिनांक 26 जून 2023 को जस्टिस शील नागू तथा जस्टिस रविंद्र कुमार सिंह की खंडपीठ को अधिवक्ता श्री रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (श्वङ्खस्) के लिए शासन द्वारा 10त्न आरक्षण निर्धारित किया गया है लेकिन अन्य आरक्षित वर्गो के समान आयु सीमा में छूट नहीं दी गई है। जिसके कारण याचिकाकर्ताओं को आयु सीमा में छूट का लाभ नहीं मिल पाया।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती में गेस्ट टीचर यानी अतिथि शिक्षक की अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है जबकि याचिकाकर्ताओं की आयु 42 वर्ष है। याचिकाकर्ताओं द्वारा निर्धारित चयन प्रक्रिया में भाग लिया गया। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दस्तावेज सत्यापन के बाद इनकी फाइल को कमिश्नर लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल की ओर प्रेषित किया गया। कमिश्नर डीपीआई भोपाल ने अ यर्थियों की आयु 40 वर्ष से अधिक होने के कारण नियुक्ति को निरस्त कर दिया। अधिवक्ता श्री रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर द्वारा श्वङ्खस् उमीदवारों को आयु सीमा में 5 साल की छूट प्रदान की जा रही है लेकिन मध्यप्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के कमिश्नर किसी भी आवेदन पर विचार करने के लिए तैयार नहीं है। अधिवक्ता श्री ठाकुर के तर्को से सहमत होते हुए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को आयु सीमा में 5 साल की छूट दिए जाने का अंतरिम आदेश पारित कर दिया। हाईकोर्ट ने डीपीआई कमिश्नर भोपाल सहित अन्य आवेदक गणों को जवाब प्रस्तुत करने के लिए 4 जुलाई की तारीख निर्धारित की है।

11 अगस्त तक मनाया जायेगा, विश्व जनसं या दिवस अभियान

मंडला यशोः- प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसं या दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 27 जून से 11 अगस्त 2023 के मध्य विश्व जनसं या दिवस मनाया जाना है। विश्व जनसं या दिवस प्रजनन स्वास्थ्य का महत्व, समग्र विकास योजनाएं व कार्यक्रम पर केन्द्रित हैं। भारत ने टी.एफ.आर. 2.0 का स्तर हासिल कर लिया है। जनसं या स्थिरीकरण को साकार करने के लिए प्रत्येक योग्य हितग्राही तक परिवार नियोजन का महत्व संदेशों एवं साधनों को पहुंचाने की आवश्यकता है। विश्व जनसं या दिवस की गतिविधियों को दो भागों में बांटा गया है द पति संपर्क पखवाड़ा- 27 जून से 10 जुलाई तक तथा जनसं या स्थिरीकरण माह- 11 जुलाई से 11 अगस्त तक। द पति संपर्क पखवाड़े में की जानी वाली गतिविधियां 27 जून से 10 जुलाई तक द पत्तियों से संपर्क किया जायेगा। स्थाई एवं अस्थाई साधनो को प्रेरित कर लाईन लिस्टिंग की जायेगी। 11 जुलाई से 11 अगस्त तक परिवार नियोजन के स्थाई अस्थाई सेवायें प्रदान की जायेंगी। आई.ई.सी./बी.सी.सी. गतिविधियों का आयोजन जागरूकता अभियान शादी उम्र में देरी, बच्चों के जन्म में उचित अंतराल, प्रसव पश्चात तथा गर्भपात पश्चात परिवार नियोजन की सेवायें, परिवार नियोजन में पुरूषों की सहभागिता, दीर्घकालिक गर्भनिरोधक साधन, जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि द पति संपर्क पखवाड़े में आशाओं एवं एएनएम के द्वारा घर-घर जाकर सघन संपर्क द पति से बनाकर उन्हें परामर्श स्थाई एवं अस्थाई साधनों की जानकारी दी जाएगी। बास्केट एवं च्वाईस के तहत द पतियों की लाईन लिस्टिंग की जाएगी। जन जागरूकता किया जायेगा। 11 जुलाई से 11 अगस्त तक सेवायें स्थाई और अस्थाई सेवायें प्रदान की जायेंगी। जन जागरूक गतिविधि में नारे लेखन कार्य किया जायेगा।

सड़क सुधार कार्यों को दें प्राथमिकता - डॉ. सिडाना

कले टर ने पीएचई एवं आरईएस विभाग से ली जानकारी

मंडला यशोः- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने जल-जीवन मिशन के अंतर्गत क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के सुधार कार्यों के संबंध में बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि जल-जीवन मिशन के कार्यों के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की गुणवत्ता के साथ मर मत करें। उन्होंने अब तक रोड रेस्टोरेशन के कार्य के दौरान पूर्ण की गई सड़कों की आंकड़ेवार जानकारी लेते हुए समीक्षा की तथा शेष बचे सुधार कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। ईईआरईएस संभाग क्रमांक-1 ने बताया कि जनपद पंचायत मवई में 1400 मीटर, मंडला जनपद में 700 मीटर, बिछिया जनपद में 11500 मीटर तथा घुघरी जनपद में 2200 मीटर से अधिक ल बाई की सड़कों का मर मत कार्य पूरा किया गया। इसी प्रकार ईईआरईएस संभाग क्रं. 2 ने बताया कि जनपद पंचायत नारायणगंज में 5400 मीटर, जनपद बीजाडांडी में 11100 मीटर, निवास जनपद में 1000 मीटर, मोहगांव जनपद में 1900 मीटर तथा नैनपुर जनपद में 3000 मीटर से अधिक ल बाई की सड़कों का रिपेयर कार्य पूरा किया गया। कले टर ने शेष बचे सुधार कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

कले टर एवं एसपी ने की विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा

मंडला यशोः- कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ टर सलोनी सिडाना एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने मंगलवार को गोलमेज सभाकक्ष में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। कले टर ने समीक्षा के दौरान विधानसभावार मतदान केंद्रों की जानकारी, मतदान केन्द्रों में जरूरी व्यवस्था, क्रिटीकल एवं वल्नरेवल मतदान केन्द्रों की सं या, वेबकास्टिंग, शेडो एरिया, विधानसभावार मतदाताओं की जानकारी, नए जुड़ने वाले मतदाता, दिव्यांग मतदाता, वरिष्ठ मतदाता, ट्रांसजेंडर मतदाता के संबंध में आंकड़े पर जानकारी ली।

कले टर ने निर्वाचन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, वाहन उपलब्धता, प्रशिक्षण, मतदाता जागरूकता, शिकायत निवारण प्रबंधन एवं निर्वाचन की तैयारियों के दौरान स पन्न की जाने वाली समस्त गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में एडीएम एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम सहित संबंधित उपस्थित थे।

जिले की औसत वर्षा की जानकारी

मंडला यशोः- जिले में इस वर्ष एक जून से 27 जून के दौरान 147.1 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 98.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 48.5 मिलीमीटर अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 जून को मंडला में 63 मि.मी., नैनपुर में 40.1 मि.मी., बिछिया में 30.4 मि.मी., निवास में 65.4 मि.मी., घुघरी में 45.7 मि.मी. एवं नारायणगंज में 85.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 27 जून को 55 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

खाद विक्रय एवं वितरण के दौरान किसानों को परेशानी न हो - डॉ. सिडाना

जिले में खाद की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध

मंडला यशोः- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने खाद वितरण से जुड़े सभी संबंधित विभागों की बैठक ली। बैठक में उन्होने निर्देशित किया कि जिले के सभी खाद विक्रय एवं वितरण केंद्रों तथा डबल लॉक केंद्रों में आवश्यकतानुसार खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि खाद विक्रय एवं वितरण के दौरान किसानों को खाद प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या न हो। कले टर ने ज़िले के सभी खाद वितरण केंद्र एवं डबल लॉक केंद्रों की जानकारी ली एवं इन केंद्रों में यूरिया, डीएपी तथा एनपीके खाद की वर्तमान भंडारण की स्थिति भी जानी। उन्होंने निर्देशित किया कि विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष होने वाले विक्रय एवं वितरण के अनुपात पर विशेष ध्यान रखें। उपसंचालक कृषि ने बताया कि जिले में वर्तमान में आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता है। किसान अपनी आवश्यकतानुसार अपने नजदीकि केन्द्रों से खाद प्राप्त कर सकते हैं।

पारदर्शिता का रखें विशेष ध्यान

कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समिति स्तरीय विक्रय सहित सभी प्रकार के खाद वितरण में पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होने पंजीकृत किसानों के लिए खाद की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए ज़रूरी निर्देश दिए। कले टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में खाद से जुड़ी शिकायतों का भी सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकरण करें। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र की दुकानों का औचक निरीक्षण करें तथा खाद विक्रय एवं वितरण की प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ संपन्न कराएं।

जैविक खाद के उपयोग के लिए प्रशिक्षण दें

कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया कि किसानों को जैविक खाद के उपयोग से संबंधित आने वाली नई तकनीक एवं प्रक्रिया की विशेष जानकारी दें। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खाद के उपयोग एवं इनसे होने वाले फायदों के बारे में भी विस्तार से बताया जाए। कले टर ने कहा कि किसानों को जैविक खाद के उपयोग के लिए लगातार प्रोत्साहित करें। साथ ही समय-समय पर उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को रासायनिक खाद के उपयोग को कम करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में भी बताएं।

संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्रों का करें भ्रमण

कले टर ने खाद विक्रय एवं वितरण से जुड़े संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि खाद वितरण की समस्त प्रक्रिया के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों का मैदानी भ्रमण करें तथा दुकानों का औचक निरीक्षण भी करें। गलत गतिविधियों पर वैधानिक कार्यवाही करें। यह कार्यवाही नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपसंचालक कृषि से आगामी दिनों में उर्वरक की अतिरिक्त डिमांड के संबंध में भी जानकारी ली। कले टर ने कहा कि नैनपुर क्षेत्र में खाद वितरण के दौरान विशेष निगरानी रखें। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को खाद विक्रय एवं वितरण की निगरानी के लिए क्षेत्रों को आवंटित भी किया।

पॉलीटेर्कि नक महाविद्यालय में प्रवेश काउन्सलिंग प्रारंभ

मंडला यशोः- रानी फूलकुंवर पॉलीटेर्कि नक महाविद्यालय मण्डला में एकलव्य आवासीय योजना के तहत् संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्राचार्य पॉलीटेर्कि नक कॉलेज ने बताया कि प्रथम चरण में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन की अंतिम तिथि 5 जुलाई 2023 सायं 5 बजे तक है। अनुसूचित जनजाति की ऐसी दसवीं पास छात्राएँ जिनकी परिवार की समस्त स्त्रोतों से कुल आय 1.80 लाख रू. प्रतिवर्ष से कम है, वे संस्था में निःशुल्क प्रवेश के साथ अन्य सुविधायें जैसे- निःशुल्क भोजन, आवास, स्टेशनरी, पुस्तकें तथा 1000/- प्रतिमाह शिष्यावृत्ति के लिए पात्र होंगी। प्रवेश काउन्सलिंग में आवेदन के लिए आवेदक किसी भी नजदीकी एमपी ऑनलाईन में स्त्रह्लद्र.द्गश्चशठ्ठद्यद्बठ्ठद्ग.द्दश1.द्बठ्ठ 2द्गद्बह्यद्बह्लद्ग पर एकलव्य योजनांर्गत मण्डला में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में रजिस्ट्रेशन व च्वाईस फिलिंग कराकर म0प्र0 अतिमहत्वाकांक्षी एकलव्य आवासीय योजना का लाभ प्राप्त करें। अधिक जानकारी के लिए पॉलीटेर्कि नक मण्डला में मो.नं. 7987447600 से संपर्क करें।

प्रधानमंत्री एक जुलाई को शहडोल आयेंगे

सिवनी यशोः- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक जुलाई को शहडोल आयेंगे और वहाँ दोपहर 3 बजे से लालपुर और पकरिया में होने वाले कार्यक्रम में स मिलित होंगे। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। भारी वर्षा की चेतावनी के चलते प्रधानमंत्री श्री मोदी का 27 जून को शहडोल का कार्यक्रम स्थगित किया गया है।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मंडला यशोः- प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक जुगराज ग्राम तिलगांव निवासी की पानी में डूबने से मृत्यु होने के कारण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास द्वारा मृतक के निकटतम वारसान को कुल 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। मृतक के निकटतम वारसान आवेदक धनीराम को कुल 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह राशि संबंधित के बैंक खाते में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आपदा प्रबंधन के लिये सूचना तंत्र को मजबूत बनायें - कले टर

समय सीमा बैठक में कले टर के निर्देश

मंडला यशोः- समय सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि बारिश को ध्यान में रखते हुये आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण रखें। बारिश तथा जल स्तर पर नजर रखें। विभिन्न विभागों के मैदानी अमलों के माध्यम से जानकारियाँ प्राप्त करें तथा आवश्यकतानुसार बचाव तथा राहत कार्य करें। संबंधित अधिकारी कर्मचारी मु यालय में रहना सुनिश्चित करें। आपदा प्रबंधन के लिए सूचना तंत्र को मजबूत बनाएं। कले टर ने इस संबंध में कंट्रोल रूम संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत रानी बाटड, अपर कले टर मीना मसराम, संयुक्त कले टर हुरेन्द्र घोरमारे, सहायक कले टर अर्थ जैन सहित संबंधित उपस्थित रहे।

कले टर डॉ. सिडाना ने कहा कि बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों का चिन्हांकन करें। होमगार्ड सहित संबंधित विभाग बचाव तथा राहत कार्यों के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। बाढ़ की स्थिति में निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए आश्रय केन्द्रों का चिन्हांकन कर समुचित व्यवस्थाएं पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। कले टर ने मु य नगरपालिका अधिकारियों को नालियों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमएचओ तथा समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं। स्वास्थ्य केन्द्रों में

एंटी स्नेक वै सीन, ओआरएस सहित अन्य आवश्यक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य केन्द्रों में कम से कम 3 माह की दवाएं उपलब्ध रहें। डॉ. सिडाना ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग तथा नगरपालिका ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराएं। पीएचई विभाग जल जीवन मिशन के कार्यों के दौरान सड़कों में की गई तोड़फोड़ की मर मत कराएं। सभी अधिकारी न्यायालयीन प्रकरणों पर समय पर जवाब प्रस्तुत करें। बैठक में आयुष्मान, संबल, मु यमंत्री सीखो कमाओ योजना, लाड़ली बहना सेना के गठन आदि के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के बेहतर निराकरण करने वाले अधिकारियों को कले टर डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

पुल-पुलियों पर संकेतक लगाएं

बैठक में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि सभी पुल-पुलियों तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में संकेतक लगाएं। बेरीकेटिंग की व्यवस्था करें। पुल-पुलियों में बाढ़ का पानी होने पर आवागमन प्रतिबंधित करें। बाढ़ की स्थिति में लोगों को नदी-नालों के पास न जाने की समझाईश दें। कले टर ने निर्देशित किया कि बांधों के जल स्तर की सतत मॉनिटरिंग करें तथा पानी छोड़ने के पूर्व प्रभावित क्षेत्रों के रहवासियों को मुनादी आदि के माध्यम से सूचित करें।

जर्जर भवनों में स्कूल न लगाएं

कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने शिक्षा विभाग से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शाला भवनों में मर मत कार्य समय में पूर्ण कराएं। जर्जर भवनों में स्कूल का संचालन न करें। स्कूलों के शौचालयों को क्रियाशील करें। कले टर ने स्कूलों के शौचालय की मर मत तथा साफ-सफाई आदि के कार्यों को ग्राम पंचायत के माध्यम से कराने के निर्देश दिए।

एक माह में 723 वन भूमि पट्टा वितरित

बैठक में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने वन भूमि पट्टा जारी करने के लिए राजस्व, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा जनजातीय कार्यविभाग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वन भूमि पट्टा के लंबित प्रकरणों का निराकरण चुनौतीपूर्ण कार्य था जिसे स मिलित प्रयासों से ही समय सीमा में पूरा किया जा सका। डॉ. सिडाना ने अन्य विषयों के लिए भी अधिकारीगणों से इसी तरह के समन्वय से कार्य करने का आव्हान किया।

बकरीद का त्यौहार सौहाद्रपूर्ण मनाएँ - डॉ. सिडाना

शांति समिति की बैठक संपन्न

मंडला यशोः-कले टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में योजना भवन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, एडीएम मीना मसराम सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में कले टर ने कहा कि 29 जून को मनाए जाने वाले बकरीद त्यौहार को सभी शांति एवं सौहाद्रपूर्ण रूप से मनाएँ। प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। उन्होंने नगरपालिका को संबंधित स्थलों पर आवश्यक साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरपालिका में फायरब्रिगेड सहित अन्य इंतजाम भी रखें। कले टर ने विद्युत विभाग को मस्जिदों एवं संबंधित स्थानों पर बिजली, पीडब्ल्यूडी विभाग को संबंधित क्षेत्र की सड़कें एवं गड्ढ़ों की मर मत, स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक चिकित्सीय व्यवस्था, होमगार्ड एवं पुलिस को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने कहा कि त्यौहार के दौरान विभिन्न गतिविधियों के लिए जो समय सीमा तय की जा रही है उसका स ती से पालन करें। बैठक में समिति के सदस्यों ने शहर की साफ-सफाई, यातायात, बिजली आदि की समस्याओं के संबंध में अपने सुझाव रखे।

डॉ. अंबेडकर बिजनेस फेयर में जिले के युवा उद्यमी गणराज गणेश भलावी हुए शामिल

.नेशनल प्रेसिडेंट पद्मश्री नर्रा बोले- अब इंटरनेशनल ट्रेड में भी जाएंगे दलित युवा

मण्डला यशोः- बिजनेस फेयर के अंतिम दिन बैंक लोन, सब्सिडी और फूड प्रोसेसिंग यूनिट पर सेमिनार 25 जून, भोपाल में चार दिवसीय डॉ. अंबेडकर बिजनेस फेयर रविवार को समाप्त हुआ। समापन समारोह में डिक्की के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री रविकुमार नर्रा, डीडी गजभिये, ज्वाइंट डायरे टर एमएसएमई डीएफओ ने प्रतिभागियों को एवं जिले के युवा उद्यमी गणराज गणेश भलावी को प्रमाण पत्र देकर स मानित किया। इस चार दिवसीय आयोजन में युवा उद्यमी गणराज गणेश भलावी समेत हर उम्र के विजिटर्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान डिक्की मध्यप्रदेश चैप्टर के डिस्ट्रि ट कोऑर्डिनेटर्स को प्रमाण पत्र देकर स मानित किया गया। पद्मश्री नर्रा ने डॉ. अंबेडकर बिजनेस फेयर की तारीफ की। उन्होंने कहा कि डिक्की मध्यप्रदेश चैप्टर ने यह भव्य आयोजन कर एक रोल मॉडल स्थापित किया है। जल्द ही डिक्की के बैनर तले देश के अन्य राज्यों में भी ऐसे बिजनेस फेयर आयोजित किए जाएंगे। डिक्की मुंबई में इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर शुरू करने जा रहा है। अब दलित युवाओं को इंटरनेशनल ट्रेड में मौका मिलेगा। हम अमेरिका के ब्लैक चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ वहां पर एनआरआई दलित उद्यमियों जो जोडने का कार्य कर रहे हैं। देश के युवा स्वरोजगार और उद्यमिता में आएं और अपनी अलग पहचान बनाएं।

17 सेमिनार और 4 राउंड टेबल डिस्कशन हुए

डॉ. अनिल सिरवैया, अध्यक्ष डिक्की मध्यप्रदेश चैप्टर ने बताया कि बिजनेस फेयर को बेहतर रिस्पांस मिला है। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने फेयर को लेकर खुशी जताई। रविवार को अंतिम दिन युवाओं एवं हर वर्ग के लोगों ने बड़ी सं या में 200 स्टॉल्स पर विजिट किया एवं उत्पाद, फ्रेंचाइजी मॉडल, स्वरोजगार व अन्य जनहितैषी

योजनाओं के बारे में जानकारी हासिल की। डॉ. अंबेडकर बिजनेस फेयर में उद्यमिता, बैंक स्कीम व सब्सिडी समेत विभिन्न विषयों पर 17 सेमिनार हुए। इसके अलावा 4 राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में लेदर एवं बै बू कलस्टर समेत अन्य मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। इसके अलावा अर्थशास्त्री डॉ. अंबेडकर पर लगी विशेष प्रदर्शनी को दर्शकों ने काफी सराहा गया।

राउंड टेबल डिस्कशन

हाइजीन प्रोडे ट हब- डॉ. अनिल सिरवैया ने कहा कि देश में सिर्फ 32 फीसदी महिलाएं सेनेटरी पैड्स इस्तेमाल करती हैं। जिसके कारण आसानी से उपलब्धता नहीं, कीमत, क्वालिटी और जागरुकता नहीं होना है। सैनिटरी पैड्स के क्षेत्र में बड़ा बाजार है, जो कभी खत्म नहीं होगा। डॉ. उपेंद्र (हेल्थ डिपार्टमेंट) ने कहा कि अभी मध्यप्रदेश सरकार किसी भी जिले में फ्री में सेनेटरी पैड्स नहीं बांट रही है। हम कोशिश करेंगे सरकार के माध्यम से इसे कंट्रोल रेट में लेकर आएं। डॉ. श्रीबास साहा, एसपीएम, यूएसएआईडी एमसीजीएल इंडिया-यश ने कहा कि मेंसुरल हाइजीन के लिए बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। इनको भी पैड्स के अलावा यूज किया जाना चाहिए। श्री धनंजय ने कहा कि यहां 1.5 लाख का मार्केट है। अर्बन के इतर देखें तो रूरल एरिया में पूरा मार्केट खाली है। यहां बड़ी कंपनियों की पहुंच नहीं है। श्री विनय वर्मा ने जमीनी स्तर पर खुलकर अभियान चलाने पर बल दिया। इस मौके पर उद्यमी एमके प्रशांत एवं दीपक सुरजिया मौजूद रहे।

लेदर कलस्टर

डॉ. अनिल सिरवैया ने कहा कि हमें गवर्नमेंट की पॉलिसी पर फोकस करना चाहिए। भोपाल, इंदौर और देवास में लेदर लस्टर प्लान किया जा रहा है और हम करेंगे। इ तियाज अली (डायरे टर सार्थक भोपाल) ने कहा कि मृत पशु को डिस्चार्ज करने में अभी 3200 से 3500 रु. खर्च आता है। केंद्र की योजना है जो मृत पशु निष्पादन केंद्र के लिए 5 लाख का फंड देती है। लेकिन 5 साल में सरकार के पास कोई प्रस्ताव नहीं आया। अगर मध्यप्रदेश के अंदर कोई लेदर लस्टर बनता है तो रोजगार की संभावना है। डॉ. डीडी गजभिये (ज्वाइंट डायरे टर एमएसएमई इंदौर) ने कहा कि हम सरकार की योजनाओं को कोसते हैं लेकिन उन्हें पढ़ते बिल्कुल नहीं। जब तक किसी पॉलिसीज को पढ़ेंगे और समझेंगे नहीं तो उसका लाभ नहीं ले पाएंगे। कई योजनाएं हैं जिनके लाभ से लोग वंचित हैं। वहीं, क्रिस्टोफर मिंट, एमएसएमई डिपार्टमेंट रीवा से पधारे कलस्टर तैयार करने की पॉलिसी पर चर्चा की। डिस्कशन में पद्मश्री रवि कुमार नर्रा, संगमराज सिंह, फाउंडर अनगन आर्ट जबलपुर एवं डॉ. परशुराम तिवारी उपस्थित रहे।

बैंक लोन, सब्सिडी स्कीम, फूड प्रोसेसिंग पर सेमिनार

डॉ. अंबेडकर बिजनेस फेयर के आखिरी दिन बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक लोन, एमएसएमई विभाग ने सब्सिड़ी स्कीम और उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने फूड प्रोसेसिंग पर सेमिनार में हिस्सा लिया। यहां मौजूद युवा उद्यमियों ने अधिकारियों एवं विशेषज्ञों से सवाल पूछकर अपनी समस्याएं दूर कीं। बैंक ऑफ इंडिया की ओर से विश्व रंजन मिश्र, डिप्टी जोनल मैनेजर भोपाल एवं पुनीत सिंह उपस्थित रहे। बैंक अधिकारियों ने बिजनेस के लिए वर्किंग कैपिटल, एफपीओ के मध्यम से लोन, स्वसहायता समूह के लिए वित्तीय सहायता समेत विभिन्न विषयों पर युवा उद्यमियों का ज्ञानवर्धन किया। साथ ही उनके सवालों के उत्तर भी दिए। एमएसएमई विभाग की ओर से सौ य मालिक, सहायक प्रबंधक एवं आर आर गौरखेड़े ने विभिन्न अनुदान योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस दौरान उद्योग विकास अनुदान, ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने पर सड़क, बिजली और पानी के लिए 25 लाख रुपए तक की सब्सिडी, अपशिष्ट पदार्थों के प्रबंधन के लिए अनुदान सहायता, एनर्जी ऑडि करने पर लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 50 हजार की सहायता, फर्नीचर एवं टॉय निर्माता इकाइयों के लिए विशेष पैकेज, बीमार इकाइयों के पुनर्जीवन पर मिलने वाले अनुदान पर प्रकाश डाला। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की ओर से पीएमएफएमई और फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारी क्षितिज महेंद्र ने बताया कि छोटे उद्यमों को बढ़ावा देना इस योजना का उद्देश्य है। जैसे टमाटर की शॉर्टिंग, स्टोरेज और उसके प्रोडे ट बनाना चाहते हैं तो उसके लिए 10 करोड़ तक का उद्योग लगा सकते हैं। जिसमें 3 करोड़ तक का अनुदान है। हर जिले में डीआरपी यानी डिस्ट्रि ट रिसोर्स पर्सन नियुक्त हैं, जो प्रोजे ट निर्माण, मार्केटिंग व ब्रांडिंग और लोन दिलवाने तक पूरी सहायता उपलब्ध कराते हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा, नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297